

R GOD SO LOVED THE WORLD IN T  
GINNING WAS THE WORD I AM THE W  
D THE TRUTH AND THE LIFE HE GAVE T  
GHT TO BELIEVE IN THE CHILDREN OF GOD I HA  
ME THAT THE WORLD HAS NOT KNOWN THE WO  
CAME FLESH AND DWELLING WITH US  
LONG US TRUST IN GOD JUST ALSO IN I  
D THE TRUTH WILL SET YOU FREE A NE  
MMAND TO LOVE YOU LOVE FOR ANOTH  
ROUGH HIM ALL THINGS WERE MADE I A  
E VINE YOU THE BRANCH  
HOEVER HEARS MY WORD AND BELIEV

# The Gospel of John

PART 23

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

**THE FACT IS:** We all move in the direction of the promises we choose to believe.

When we cease to believe in a promise, we cease to move in that direction.

*You chose to believe in a promise, chose to follow that promise, and it led you to your current place in life.*

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---



*“Are my expectations  
in line with  
God’s revelations?”*

---

---

---

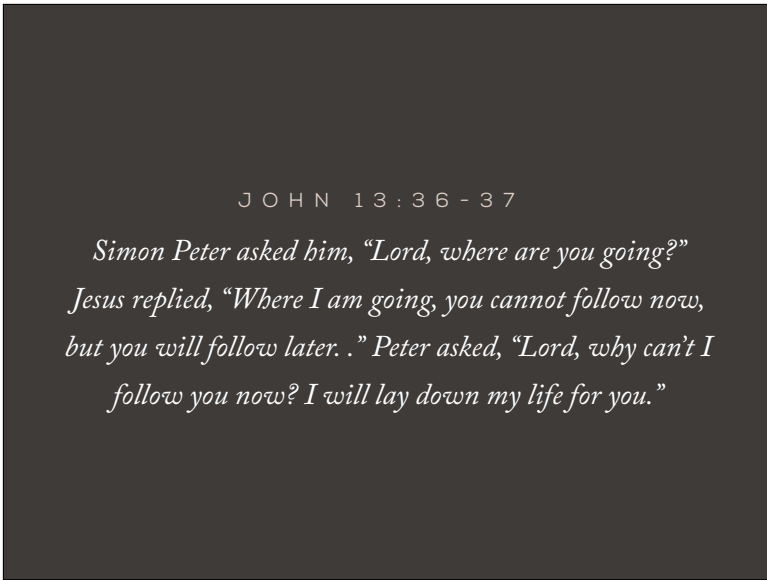
---

---

---

---

---



JOHN 13:36-37

*Simon Peter asked him, “Lord, where are you going?”  
Jesus replied, “Where I am going, you cannot follow now,  
but you will follow later. .” Peter asked, “Lord, why can’t I  
follow you now? I will lay down my life for you.”*

---

---

---

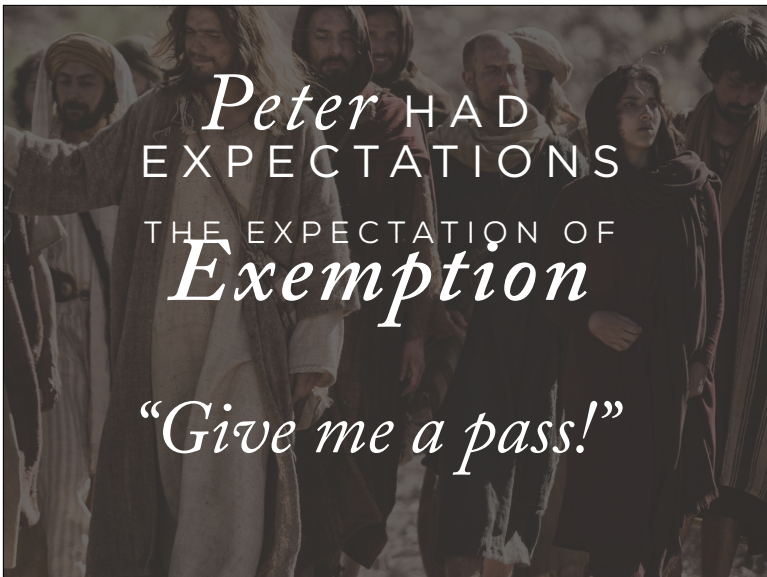
---

---

---

---

---



*Peter* HAD  
EXPECTATIONS  
THE EXPECTATION OF  
*Exemption*

*“Give me a pass!”*

---

---

---

---

---

---

---

---

JOHN 13:38

*Then Jesus answered, "Will you really lay down your life for me? Very truly I tell you, before the rooster crows, you will disown me three times!"*

---

---

---

---

---

---

---

---

JOHN 14:1-4 (MSG)

*"Don't let this throw you. You trust God, don't you? Trust me. There is plenty of room for you in my Father's home. If that weren't so, would I have told you that I'm on my way to get a room ready for you? And if I'm on my way to get your room ready, I'll come back and get you so you can live where I live. And you already know the road I'm taking."*

---

---

---

---

---

---

---

---

JOHN 14:3

*"I will come back and take you to be with me."*

---

---

---

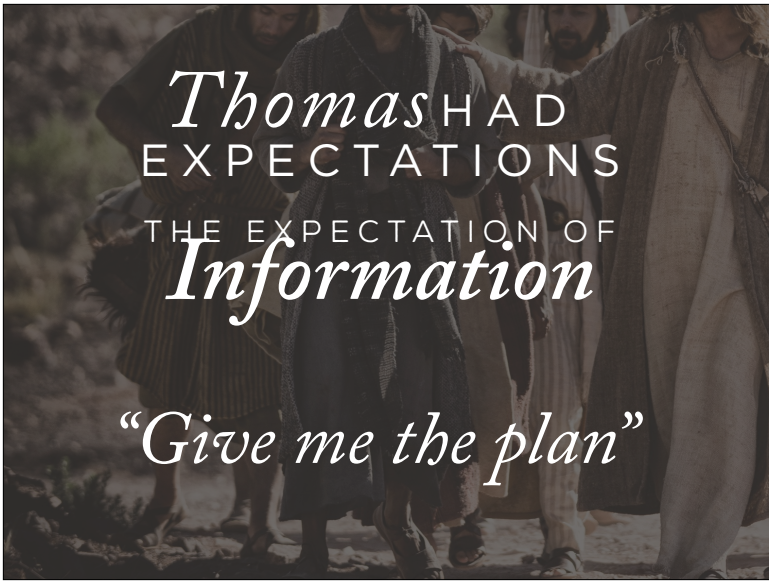
---

---

---

---

---



Thomas HAD  
EXPECTATIONS  
THE EXPECTATION OF  
*Information*

*“Give me the plan”*

---

---

---

---

---

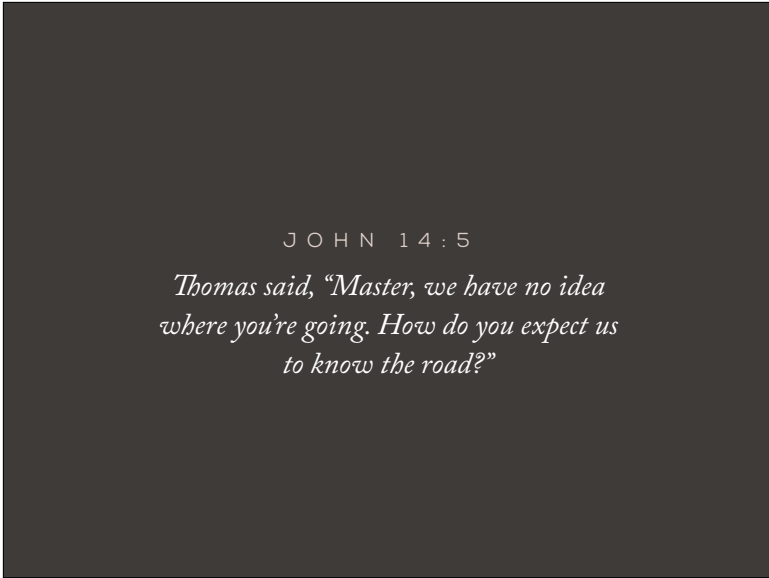
---

---

---

---

---



JOHN 14:5

*Thomas said, “Master, we have no idea where you’re going. How do you expect us to know the road?”*

---

---

---

---

---

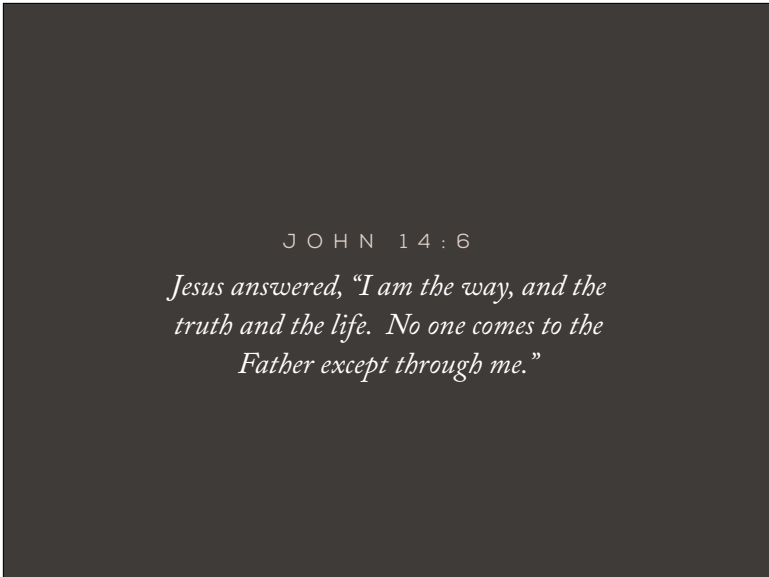
---

---

---

---

---



JOHN 14:6

*Jesus answered, “I am the way, and the truth and the life. No one comes to the Father except through me.”*

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---



JOHN 14:7

*"If you really knew me, you would know my Father as well. From now on, you do know him and have seen Him."*

---

---

---

---

---

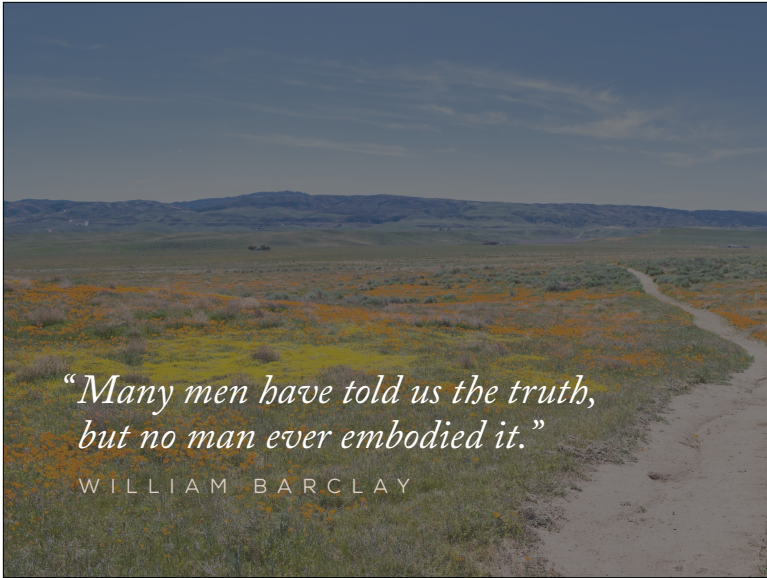
---

---

---

---

---



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---



---

---

---

---

---

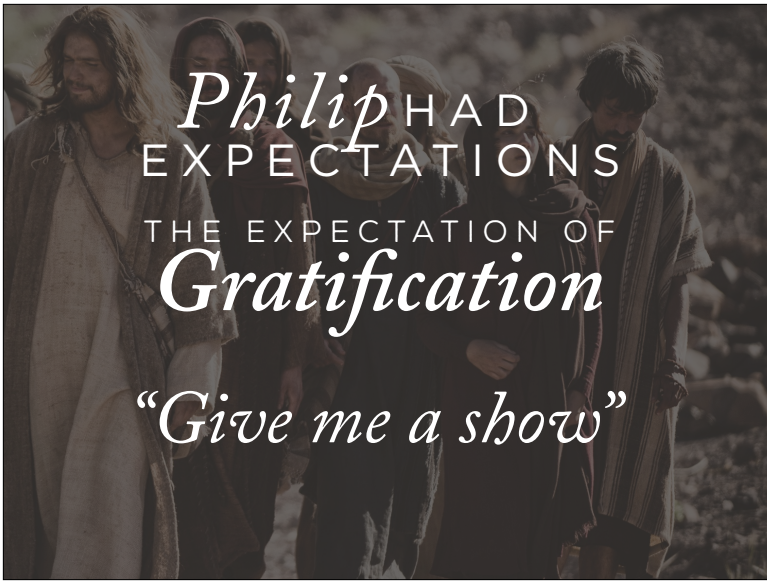
---

---

---

---

---



*Philip* HAD  
EXPECTATIONS  
THE EXPECTATION OF  
*Gratification*

*“Give me a show”*

---

---

---

---

---

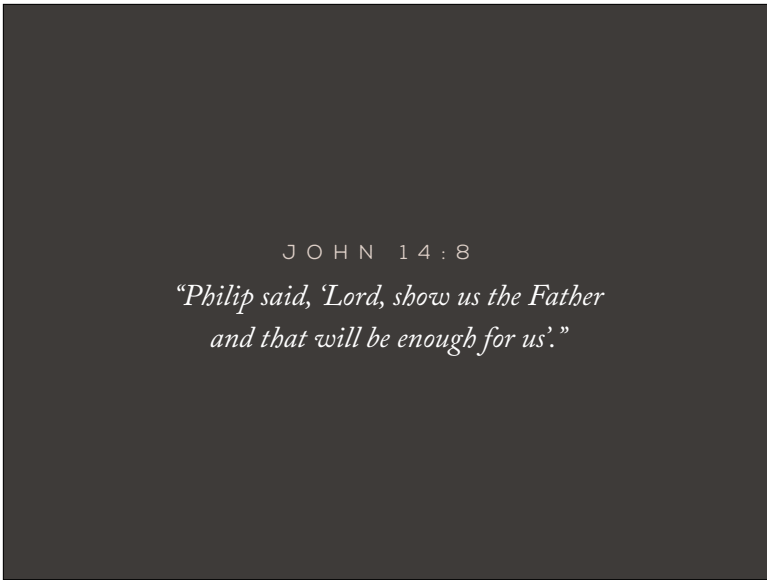
---

---

---

---

---



JOHN 14:8

*“Philip said, ‘Lord, show us the Father  
and that will be enough for us.’”*

---

---

---

---

---

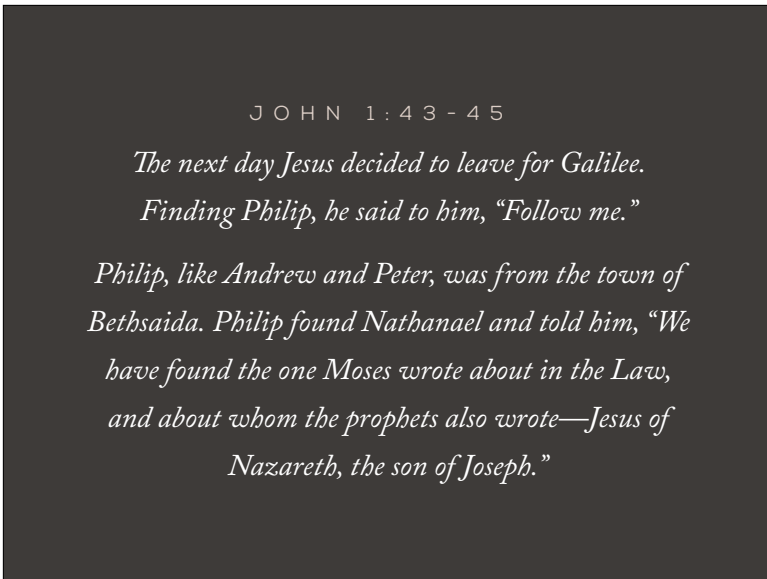
---

---

---

---

---



JOHN 1:43-45

*The next day Jesus decided to leave for Galilee.  
Finding Philip, he said to him, “Follow me.”*

*Philip, like Andrew and Peter, was from the town of  
Bethsaida. Philip found Nathanael and told him, “We  
have found the one Moses wrote about in the Law,  
and about whom the prophets also wrote—Jesus of  
Nazareth, the son of Joseph.”*

---

---

---

---

---

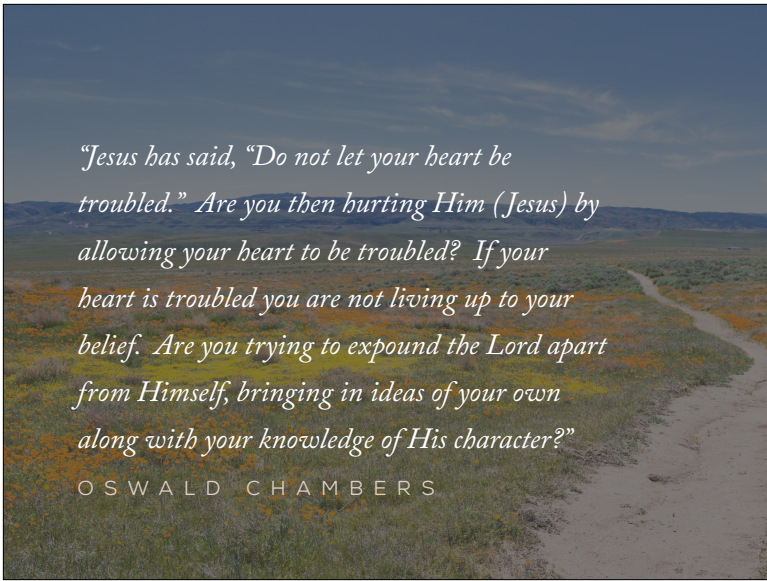
---

---

---

---

---



*“Jesus has said, “Do not let your heart be troubled.” Are you then hurting Him (Jesus) by allowing your heart to be troubled? If your heart is troubled you are not living up to your belief. Are you trying to expound the Lord apart from Himself, bringing in ideas of your own along with your knowledge of His character?”*

OSWALD CHAMBERS

---

---

---

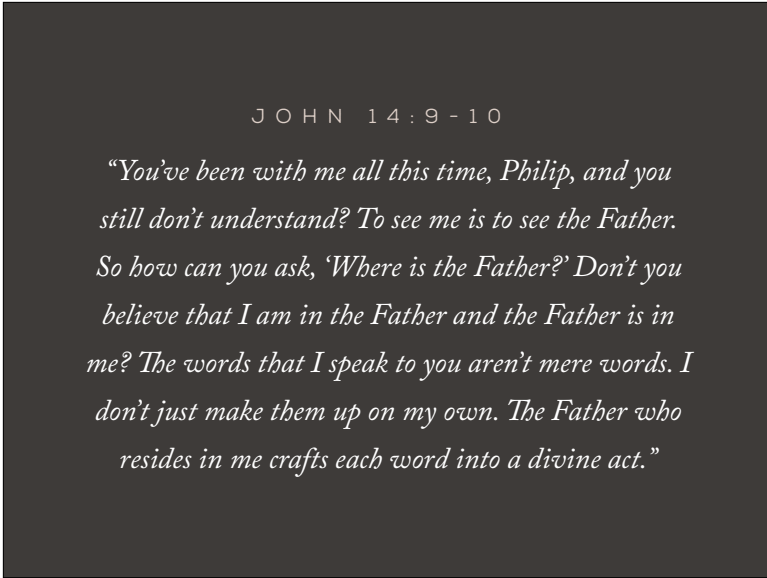
---

---

---

---

---



JOHN 14:9-10

*“You’ve been with me all this time, Philip, and you still don’t understand? To see me is to see the Father. So how can you ask, ‘Where is the Father?’ Don’t you believe that I am in the Father and the Father is in me? The words that I speak to you aren’t mere words. I don’t just make them up on my own. The Father who resides in me crafts each word into a divine act.”*

---

---

---

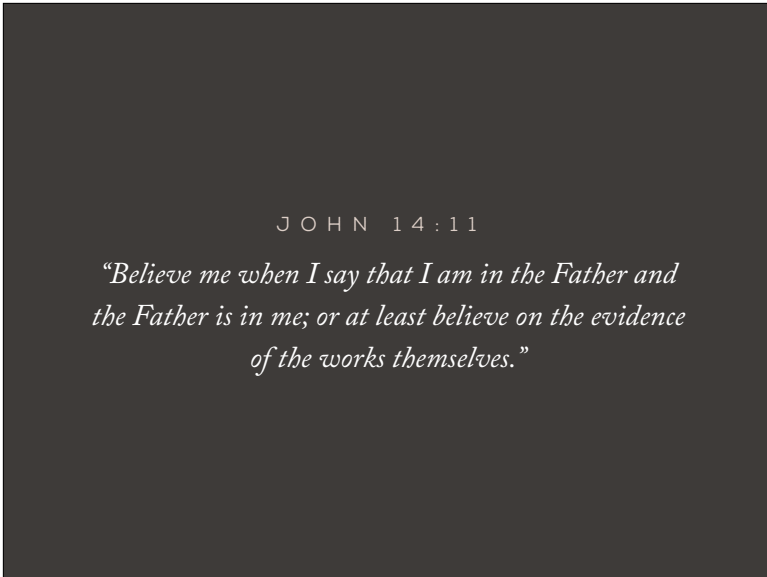
---

---

---

---

---



JOHN 14:11

*“Believe me when I say that I am in the Father and the Father is in me; or at least believe on the evidence of the works themselves.”*

---

---

---

---

---

---

---

---

JOHN 14:12-14

*Very truly I tell you, whoever believes in me will do the works I have been doing, and they will do even greater things than these, because I am going to the Father. And I will do whatever you ask in my name, so that the Father may be glorified in the Son. You may ask me for anything in my name, and I will do it.*

---

---

---

---

---

---

---

---

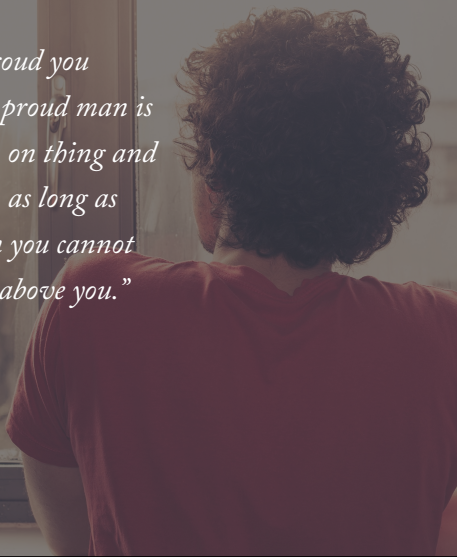
---

---

*“As long as you are proud you cannot know God. A proud man is always looking down on things and people: and, of course, as long as you are looking down you cannot see something that is above you.”*

C. S. LEWIS

*Mere Christianity*



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

WE HAVE TO  
*ask*  
OURSELVES

*“Are my expectations  
in line with  
God’s revelations?”*



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---





---

---

---

---

---

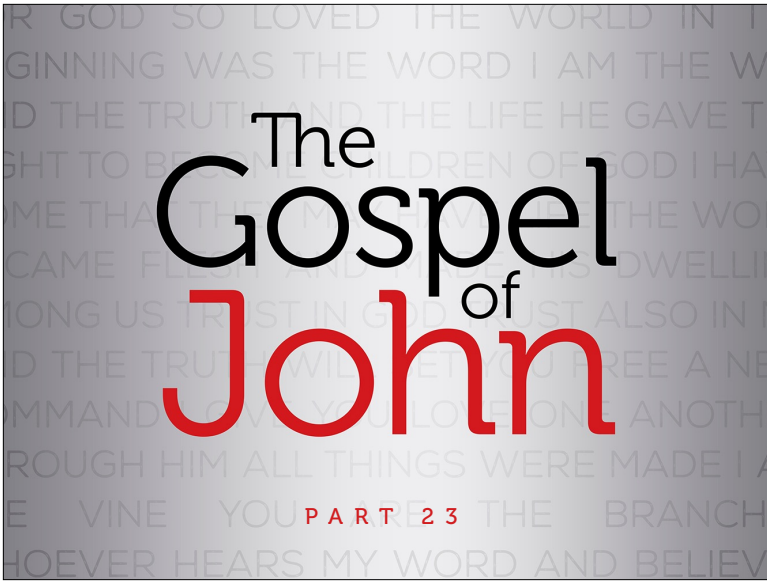
---

---

---

---

---



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---